नलबाड़ी में मनाया गया विश्व सिकल सेल दिवस

नलबाड़ी, 19 जून (ख.सं)। जिले के सभी अस्पतालों में आज विश्व सिकल सेल दिवस मनाया गया। एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से 19 जून से 3 जुलाई तक जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के दौरान 0-40 वर्ष के लोगों में सिकल सेल परीक्षण किया जायेगा। आज विश्व सिकल सेल दिवस' नलबाड़ी जिले के अम्बाप्रिय हाइस्कूल में एक स्वास्थ्य सेवाएं आयोजित किया । सिकल सेल एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं असामान्य रूप से कैंची के आकार की होती हैं। परिणामस्वरूप, कोशिकाओं का जीवन काल 120 दिनों से कम होता है। ये रक्त कोशिकाएं तेजी से टूटती हैं, जिससे एनीमिया और

अक्सर थकान होती है। इनसे सांस लेने में कठिनाई या चक्कर की भी शिकायत होती है। क्योंकि ये सिकल कोशिकाएं अपरिपक्व रूप से टूट जाती हैं। उनके घटक छोटी रक्त वाहिकाओं के माध्यम से रक्त के प्रवाह को बाधित करते हैं और उन क्षेत्रों में दर्द पैदा करते हैं, जिन्हें सिकल सेल संकट कहा जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ. कैलाश डेका ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया के उचित निदान से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी। जीवनदायनी रक्त की सुरक्षा के लिए सिकल सेल एनीमिया के बारे में जन जागरूकता की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ. कैलाश डेका, उपविभागीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मधुरम वैश्य और डॉ. सुरेंद्र मजुमदार, सानेकुची राज्य अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक डॉ. हेमेन शर्मा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, नलबाड़ी जिला योजना अधिकारी मिनाक्षी बरपुजारी मौजूद थे।